Name of Paper : JANSATTA

Published at : NEW DELHI

Dated : 27 JUN 2007

अफगानिस्तान अफीम का सबसे बड़ा उत्पादक देश

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट

न्यूयार्क, 26 जून (भाषा)। दुनिया में अवैध तरीके से अफीम के उत्पादन के मामले में अफगानिस्तान का एकाधिकार है। वह अफीम के चूरे को हेरोइन और मारफीन में बदलने में सक्षम व अव्वल देश है।

संयुक्त राष्ट्र के वियना स्थित मादक पदार्थ व अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) की 2007 की रिपोर्ट के अनुसार देश के दो महत्त्वपूर्ण नशीले पदार्थों के उत्पादन में अग्रणी होने से इस बात की आशंका है कि वहां के लोग हेरोइन या अफीम के आदी हो जाएंगे। यूएनओडीसी की अफगानिस्तान में प्रतिनिधि क्रिस्टिना ग्याना ओगुज ने यूएनओडीसी की सालाना रिपोर्ट में कहा है कि अफगानिस्तान में पिछले साल छह हजार मीट्रिक टन अफीम का उत्पादन हुआ। यह विश्व उत्पादन का 92 फीसद है।

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के दक्षिण भाग में अफीम की खेती बड़े पैमाने पर होती है। अकेले हेल्मंड प्रांत में 42 फीसद अफीम का उत्पादन होता है। जिन प्रांतों में अफीम की खेती बड़े पैमाने पर होती है वहां सुरक्षा हालात भी बदतर हैं। उन्होंने कहा- अफीम उत्पादन और आपराधिक नेटवर्क में नजदीकी संबंध हैं। अफीम उत्पादन से प्राप्त रकम का इस्तेमाल देश में अस्थिरता फैलाने में किया जाता है।

बताया जाता है कि अफगानिस्तान में उत्पादित अफीम को देश के बाहर ले जाया जाता है और उससे हेरोइन और मारफीन बनाए जाते हैं। लेकिन क्रिस्टिना ने कहा कि यह धारणा गलत है। ज्यादातर मारफीन और हेरोइन का उत्पादन अफगानिस्तान में ही किया जाता है। उन्होंने कहा कि हेरोइन के उत्पादन में बढ़ोतरी से उसके दुरुपयोग की भी आशंका है। वहां करीब 50 हजार लोग अभी हेरोइन लेने के आदी हो चुके हैं। करीब डेढ़ लाख व्यक्ति अफीम के आदी हैं। देश में स्वास्थ्य सुविधा की खराब स्थिति के कारण अफीम लेने का प्रचलन है। लोग इसे दर्द निवारक दवा के रूप में इस्तेमाल करते हैं।